हैल्मेट का अनिवार्य रूप से उपयोग

6017. **डा० रामजी सिंह : क्या नौवहन और परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में मोटर साइकिल चालकों अथवा स्कूटर चालकों के लिए हैल्मेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने का विचार किसके मस्तिष्क की उपज है ;

(ख) क्या इसके लिये किसी समिति ने सिफारिश की है और यदि हां तो समिति के सदस्यों के क्या नाम हैं ;

(ग) क्या हैल्मेट पहनने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के बारे में सरकार को जानकारी है ;

(घ) यदि हां, तो क्या कुछ समय के बाद सिर में चक्कर आने तथा कम सुनाई पड़ने की शिकायतें सही पाई गई हैं ;

(ङ) क्या सरकार स्वास्थ्य और यातायात विषयों के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगी और उसकी सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए उक्त निर्णय पर पुर्नविचार करेगी ; और

(च) यदि हां, तो कब तक ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख). केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने घातक दुर्घटनाओं पर किये गये अध्ययन के फलस्वरूप हैल्मेट के अनिवार्य प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया। नौवहन और परिवहन मंत्रालय में भारत सरकार द्वारा नियुक्त सड़क सुरक्षा अध्ययन दल ने भी इसके लिये सिफारिश की ।

(ग) और (घ). तमिल नाडु, चंडीगढ़ अथवा दिल्ली से, जहां इसका प्रयोग अनिवार्य रूप से किया गया है, संबंधित व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर हैल्मेट पहनने का दुष्प्रभाव पड़ने के बारे में सरकार को कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई हैं । परन्तु इन हैल्मेटों में हवा के अबाधरूप से आवागमन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई गई है । हैल्मेटों में से हवा गुजरने के लिए छेदों की व्यवस्था किये जाने के प्रश्न पर हैल्मेट के निर्माताओं से बात की गई है ।

(ङ) जी, नहीं ।

(च) प्रश्न नहीं उठता ।

सीमावर्ती क्षेत्रों में रेडियो स्टेशनों की स्थापना

6018. **श्री श्याम सुन्दर सोमानी :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सीमावर्ती क्षेत्रों में रेडियो स्टेशनों की स्थापना करने संबंधी किसी प्रस्ताव पर सरकार विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल-कृष्ण अड़वानी) : (क) जी, हां ।

(ख) सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रसारण सेवा का विस्तार/सुधार करने के लिए नये रेडियो स्टेशन नजीबाबाद (उत्तर प्रदेश), सूरतगढ़ (राजस्थान) और इटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में स्थापित किए जा रहे हैं । इसके अतिरिक्त, श्रीनगर, (जम्मू और काश्मीर), शिलांग (मेघालय) और ऐजवाल (मिजोरम) के वर्तमान आकाशवाणी केन्द्रों को वहां उच्चतर शक्ति के ट्रांसमिटर लगाकर सुदृढ़ किया जा रहा है ।